Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________

 (Name) ____________________

2. (Signature) ____________________

 (Name) ____________________

OMR Sheet No. : ....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No. ____________________
(In words)

J 3 6 1 5

PAPER - II
ASSAMESE

Time : 1¼ hours] **[Maximum Marks : 100**

Number of Pages in this Booklet : **12** Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : ① ② ● ④ where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There are no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं। आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।
   उदाहरण : ① ② ● ④ जबकि (3) सही उत्तर है।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं। यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिन्हांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें। हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं।**

ASSAMESE

অসমীয়া - II

PAPER - II

প্ৰশ্নকাকত - II

Note : This paper contains **fifty (50)** objective type questions, each question carrying **two (2)** marks. Attempt **all** the questions.

টোকা : এই প্ৰশ্নকাকতত বহু বিকল্পীয় **পঞ্চাশ (50)** টা প্ৰশ্ন আছে। প্ৰতিটো প্ৰশ্নৰ মূল্যাংক **দুই (2)**। উত্তৰ পত্ৰত শুদ্ধ উত্তৰটো চিহ্নিত কৰাঁ। সকলো **প্ৰশ্নৰে** উত্তৰ কৰিবাঁ।

1. বিজুলী চটক যেন গোসাঁনীৰ কান্তি।
তাৰা যেন জিকি পাৰে অলঙ্কাৰ পান্তি।।
ৰাৱনৰ অঙ্গে ৰূপ সীতাৰ বলিল।
অঞ্জন পৰ্বতে যেন মাণিক জ্বলিল।।
ওপৰত উল্লেখ কৰা পদ ফাঁকি মাধৱকন্দলিৰ ৰামায়ণৰ কোন কান্ডৰ অন্তৰ্গত?

(1) অৰণ্য কান্ড (2) কিষ্কিন্ধ্যা কান্ড (3) লংকা কান্ড (4) অযোধ্যা কান্ড

2. তলৰ কোনখন গ্ৰন্থ বিৰিঞ্চি কুমাৰ বৰুৱাই ৰচনা কৰা?

(1) Sankardeva and His Times (2) Sankardeva Vaisnava Saint of Assam
(3) Mother Goddess Kamakhya (4) Aspects of Early Assamese Literature

3. শূন্যপুৰাণ'ত কোন দেৱতাৰ মাহাত্ম্যসূচক কথা বৰ্ণনা কৰা হৈছে?

(1) সোনাৰায় (2) সূৰ্যদেৱতা (3) ধৰ্মদেৱতা (4) কাৰ্তিক

4. ভট্টদেৱক কথাৰূপত ভাগৱত ৰচনা কৰিবলৈ উপদেশ দিয়া ব্যক্তিগৰাকী হৈছে :

(1) শংকৰদেৱ (2) দামোদৰদেৱ (3) গোপালদেৱ (4) মাধৱদেৱ

5. ওজাপালি অনুষ্ঠানৰ লগত সম্পৰ্ক থকা ৰামায়ণখন হৈছে :

(1) কথা ৰামায়ণ (2) গীতি ৰামায়ণ (3) অদ্ভূত ৰামায়ণ (4) সপ্তকান্ড ৰামায়ণ

6. নাথান ব্ৰাউনৰ 'অসমিয়া আৰু ইংৰাজী অভিধান'ত কিমান শব্দ অন্তৰ্ভূক্ত হৈ আছে?

(1) 14,000 (2) 14,004 (3) 14,200 (4) 14,275

7. তলৰ কোনখন বুৰঞ্জী সূৰ্যকুমাৰ ভূঞাৰ দ্বাৰা সম্পাদিত নহয়?

(1) সাতসৰী অসম বুৰঞ্জী (2) দেওধাই অসম বুৰঞ্জী

(3) চাংৰুং ফুকনৰ বুৰঞ্জী (4) তুংখুঙীয়া বুৰঞ্জী

8. ভোলানাথ দাসৰ 'সীতাহৰণ কাব্য' প্ৰথমে ক'ত প্ৰকাশ পাইছিল?

(1) জোনাকী (2) বিজুলী (3) আসাম-বন্ধু (4) আসাম-বিলাসিনী

9. শ্বেক্‌ছ পিয়েৰৰ Othelo আৰু গোল্ডস্মিথৰ Vicar of Wake field কাব্যৰ আধাৰত 'ডেচডিযোগ কাব্য' কোনে ৰচনা কৰিছিল?

(1) ভোলানাথ দাস (2) হিতেশ্বৰ বৰবৰুৱা (3) লম্বোদৰ বৰা (4) আনন্দচন্দ্ৰ আগৰৱালা

10. 8+8+10 মাত্ৰাৰ ছন্দসজ্জাটো হৈছে :

(1) দুলড়ি (2) ছবি (3) ঝুমুৰি (4) লেছাৰি

11. ''ৰীতিৰাত্মা কাব্যস্য''- এই মন্তব্যটিৰ বক্তাজন হৈছে-

(1) কুন্তক (2) বামন (3) ভামহ (4) দন্ডী

12. 'হাফলু' শব্দৰ মূল-

(1) বড়ো ভাষা (2) খাছী ভাষা (3) খামতি ভাষা (4) কাৰ্বি ভাষা

13. 'শাৰিৰীক' শব্দৰ লগত কি প্ৰত্যয় সংযুক্ত হৈ আছে?

(1) -ইক (2) -স্নিক (3) -ষ্ণিক (4) -অক

14. 'জোনাকী' আলোচনীৰ প্ৰথম সম্পাদকগৰাকীৰ নাম :

(1) চন্দ্ৰকুমাৰ গুপ্ত (2) চন্দ্ৰকুমাৰ আগৰৱালা

(3) লক্ষ্মীনাথ বেজবৰুৱা (4) পদ্মনাথ গোহাঞি বৰুৱা

15. চিফুং, জোথা, থৰ্‌খা, ৰামতাল আৰু খাম-এই বাদ্য-যন্ত্ৰকেইটা কোন নৃত্যৰ স'তে বজোৱা হয়?

(1) ছাথাৰ নৃত্য (2) ওম্‌ৰাগ্ নৃত্য (3) বৈসাগু নৃত্য (4) হাছা-কেকান

16. আহোম যুগত স্থাপিত অসমৰ মন্দিৰসমূহত কোন স্থাপত্য-শৈলীয়ে প্ৰাধান্য বিস্তাৰ কৰিছে?

(1) দ্ৰাবিড় (2) নাগৰ (3) বেসৰ (4) মোগলাই

17. 'খঞ্জৰি' বাদ্যযন্ত্রটো কোন প্ৰকাৰৰ বাদ্য?

(1) আনদ্ধ (2) তত (3) ঘন (4) সুষিৰ

18. হোমেন বৰগোহাঞিৰ কবিতা-পুথিখনৰ নাম :

(1) পৰিব্ৰাজক (2) হৈমন্তী (3) অৰণ্যৰ গান (4) মানুহ অনুকুলে

19. নিৰ্গঠনবাদৰ প্ৰৱক্তাগৰাকীৰ নাম কি?

(1) মিছেল ফুক' (2) ফাৰ্ডিনাও দ্য চ্যচ্যুৰ (3) জাক ডেৰিডা (4) ব্লুমফিল্ড

20. উপমেয়ক উপমানৰ স'তে অভেদ ৰূপত প্ৰতিষ্ঠা কৰা অলংকাৰবিধ হৈছে :

(1) উপমা (2) ৰূপক (3) উৎপ্ৰেক্ষা (4) ভ্ৰান্তিমান

তলৰ **21** ৰ পৰা **30** লৈ দিয়া প্ৰতিটো প্ৰশ্নৰ উত্তৰত (1),(2),(3),(4) -এই চাৰিটা বিকল্প দিয়া হৈছে। উত্তৰ-পত্ৰত এই চাৰিটা বিকল্পৰ মাজৰপৰা একোটা শুদ্ধজোঁট চিহ্নিত কৰাঁ।

21. ভাৱ-অনুভূতিৰ সাদৃশ্য থকা লোকগীতৰ ভাগ দুটি হৈছে :

(a) ধাইনাম (b) আইনাম

(c) অপেছৰা সবাহৰ গীত (d) বনগীত

(1) (a) আৰু (c) (2) (b) আৰু (d)

(3) (b) আৰু (c) (4) (a) আৰু (b)

22. তলৰ কোন দুখন গ্ৰন্থ বধকাব্যৰ অন্তৰ্গত?

(a) সিন্ধুৰাপৰ্ব (b) ব্যাসাশ্ৰম

(c) বব্ৰুবাহনৰ যুদ্ধ (d) তাম্ৰধ্বজৰ যুদ্ধ

(1) (a) আৰু (b) (2) (a) আৰু (c)

(3) (b) আৰু (d) (4) (c) আৰু (d)

23. তলৰ কোন দুজন কবিয়ে দুৰ্লভনাৰায়ণৰ পৃষ্ঠপোষকতা লাভ কৰিছিল?

(a) ৰাম সৰস্বতী (b) হৰিবৰ বিপ্ৰ

(c) হেম সৰস্বতী (d) ৰুদ্ৰ কন্দলি

(1) (a) আৰু (c) (2) (b) আৰু (d)

(3) (b) আৰু (c) (4) (c) আৰু (d)

24. ব্যৱহাৰিক জ্ঞান সম্পৰ্কীয় পুঁথি দুখনৰ থূল :

(a) ঘোঁৰা নিদান
(b) শ্ৰীহস্ত মুক্তাৱলী
(c) সন্ত মুক্তাৱলী
(d) সাত্বত-তন্ত্ৰ

(1) (a) আৰু (c)
(2) (b) আৰু (c)
(3) (a) আৰু (b)
(4) (c) আৰু (d)

25. অমিতাক্ষৰ ছন্দত ৰচিত দুখন গ্ৰন্থ হৈছে :

(a) মেঘনাদ বধ
(b) কংস বধ
(c) খটাসুৰ বধ
(d) অভিমন্যু বধ

(1) (c) আৰু (d)
(2) (a) আৰু (c)
(3) (b) আৰু (c)
(4) (a) আৰু (d)

26. তলৰ কোন দুটা ছন্দ ত্ৰিপদী ছন্দ?

(a) লেছাৰী
(b) মুক্তাৱলী
(c) পয়াৰ
(d) দুলড়ী

(1) (b) আৰু (c)
(2) (c) আৰু (d)
(3) (a) আৰু (d)
(4) (a) আৰু (c)

27. সৌৰভকুমাৰ চলিহাই লিখা গ্ৰন্থৰ থূল :

(a) কবি
(b) সেন্দুৰ
(c) গোলাম
(d) অচিনা

(1) (a) আৰু (b)
(2) (a) আৰু (c)
(3) (b) আৰু (c)
(4) (c) আৰু (d)

28. তদ্ধিত প্ৰত্যয়ৰ থূল হৈছে :

(a) -অতিয়াল
(b) -অনিয়াৰ
(c) -অচীয়া
(d) -অলীয়া

(1) (b) আৰু (c)
(2) (a) আৰু (b)
(3) (b) আৰু (d)
(4) (c) আৰু (d)

29. দুৰ্গেশ্বৰ শৰ্মাৰ দ্বাৰা অনূদিত নাটকৰ থূল :

(a) পদ্মাৱতী (b) চন্দ্ৰাৱলী

(c) নিমন্ত্ৰণ (d) অমৰলীলা

(1) (b) আৰু (c) (2) (a) আৰু (d)

(3) (a) আৰু (b) (4) (c) আৰু (d)

30. লোক-পৰিৱেশ্যকলাৰ থূল :

(a) খুলীয়া ভাউৰীয়া (b) বনঘোষা

(c) কুশান গান (d) বাৰমাহী গীত

(1) (a) আৰু (b) (2) (a) আৰু (c)

(3) (b) আৰু (c) (4) (b) আৰু (d)

31 ৰ পৰা **35** লৈ দিয়া প্ৰশ্নসমূহৰ ‘ক’ স্তম্ভত দিয়া বিষয়ৰ লগত সম্পৰ্ক থকা ‘খ’ স্তম্ভত থকা বিষয়সমূহ মিলাই (1), (2), (3), (4) -এই চাৰিটা বিকল্প দেখুওৱা হৈছে। তাৰে পৰা শুদ্ধ বিকল্পটো চিহ্নিত কৰাঁ।

31.

‘ক’ স্তম্ভ		**‘খ’ স্তম্ভ**	
(a)	অনুবাদক	(i)	সাৰদাকান্ত বৰদলৈ
(b)	গল্পকাৰ	(ii)	প্ৰফুল্ল কটকী
(c)	নাট্যকাৰ	(iii)	হীৰেন ভট্টাচাৰ্য
(d)	কবি	(iv)	অনিমা দত্ত

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)
(2)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(3)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(4)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)

32.

‘ক’ স্তম্ভ		**‘খ’ স্তম্ভ**	
(a)	মজিয়াৰ পৰা মেজলৈ	(i)	পদ্মধৰ চলিহা
(b)	জীৱনৰ দীঘ আৰু বাণি	(ii)	বেনুধৰ শৰ্মা
(c)	জীৱন বীনাৰ সুৰ	(iii)	বেনুধৰ ৰাজখোৱা
(d)	মোৰ জীৱন দাপোন	(iv)	মহেশ্বৰ নেওগ

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)
(2)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(3)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(4)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)

33. 'ক' স্তম্ভ — 'খ' স্তম্ভ

(a) সময়ৰ বলুকাৰাশিত পদচিহ্ন ৰখা উন্মাদ বাসনা আমাৰ নাই। আমি বুৰঞ্জীৰ শিলাখন্ডৰ জীৱন্ত ফছিল — (i) অজিত বৰুৱা

(b) পলাশৰ জুই নুমাল এতিয়া। শাল আৰু চতিয়ন বলত মানৰ দিনৰ অতীত ব'হাগৰ ধুমুহাৰ; — (ii) মহেন্দ্ৰ বৰা

(c) লীলা খামৰ চিঠিখন, কঁপা হাতেৰে খুলিছিল, বুকুৰ ধপ্‌ধপনিটো - কিমান আশাৰ চিঠি এইখন, ''বৰুৱা! আপোনাৰ টকা কুৰিটা যদি এই মাহতে…'' — (iii) হেম বৰুৱা

(d) কাতি মাহৰ এটা ধোৱাঁ ৰাতিপুৱা কুঁৱলী গলি ভাঁহে। এই পুৱা যেন অতীত জীৱন (এবছৰ বয়সীয়া) — (iv) নৱকান্ত বৰুৱা

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)
(2)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(3)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(4)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)

34. 'ক' স্তম্ভ — 'খ' স্তম্ভ

(a) উচ্চাৰণকৰণ — (i) Continuant

(b) অঘোষীভৱন — (ii) Unaspiration

(c) অনিয়ত — (iii) Articulator

(d) অল্পপ্ৰানীভৱন — (iv) Devoiceing

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(2)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(3)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(4)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)

35. 'ক' স্তম্ভ — 'খ' স্তম্ভ

(a) সুৰেন্দ্ৰবৰ্মা — (i) বৰগঙ্গা লিপি

(b) ভাস্কৰবৰ্মা — (ii) পৰ্বতীয়া তাম্ৰলিপি

(c) বনমালবৰ্মা — (iii) উমাচল লিপি

(d) ভূতিবৰ্মা — (iv) ডুবি অনুশাসন

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(2)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(3)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(4)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)

তলৰ **36** ৰ পৰা **40** লৈ থকা প্ৰশ্নসমূহত কাৰ্যকাৰনৰ আধাৰত (1), (2), (3), (4) চাৰিটা বিকল্প দিয়া হৈছে। তাৰে পৰা শুদ্ধ উত্তৰটো চিহ্নিত কৰাঁ :

36. 'অসমীয়া ভাষাৰ লিঙ্গ ব্যাকৰণগত নহয়।' কাৰণ-

(1) অসমীয়া ভাষাত অৰ্থ অনুযায়ী লিঙ্গ নিৰ্নয় কৰা নহয়।

(2) অসমীয়া লিঙ্গই বাক্য-গাঁথনিত প্ৰভাৱ বিস্তাৰ কৰে।

(3) বিশেষ্যৰ লিঙ্গ অনুযায়ী বিশেষণ বা ক্ৰিয়া পদৰ কোনো পৰিৱৰ্তন ন হয়।

(4) বিশেষ্যৰ লিঙ্গ অনুযায়ী বিশেষণ বা ক্ৰিয়া পদৰ লিঙ্গৰ পৰিৱৰ্তন ঘটে।

37. উপন্যাসৰ চৰিত্ৰ ঔপন্যাসিকৰ টীকা-টিপ্পনিৰে সমৃদ্ধ।'কাৰণ-

(1) উপন্যাসৰ চৰিত্ৰ-সৃষ্টিত ঔপন্যাসিকজন সক্ৰিয় পৰ্যবেক্ষক।

(2) 'উপন্যাসৰ চৰিত্ৰ- সৃষ্টিত ঔপন্যাসিকৰ মৌলিকতা স্পষ্ট।

(3) উপন্যাসৰ চৰিত্ৰ নিৰ্মাণত ঔপন্যাসিকৰ বিশেষ ভূমিকা থাকে।

(4) উপন্যাসৰ চৰিত্ৰ অংকনত ঔপন্যাসিকৰ সম্পূৰ্ণ স্বাধীনতা আছে।

38. 'অৰুনোদই' কাকতৰ জৰিয়তে বেপ্টিষ্ট মিছনেৰীয়ে অসমীয়া মানুহৰ মনত আধুনিক ভাৱধাৰাৰ উন্মেষ ঘটাইছিল। কাৰণ-

(1) 'অৰুনোদই' কাকতে অসমীয়া মানুহক পাশ্চাত্যৰ লগত একীভূত কৰাইছিল।

(2) 'অৰুনোদই' কাকতে অসমীয়া মানুহক পাশ্চাত্যৰ জ্ঞান আৰু বৈজ্ঞানিক চিন্তাৰ লগত পৰিচয় কৰাই দিছিল।

(3) 'অৰুনোদই' কাকতে অসমীয়া মানুহক পাশ্চাত্যৰ চিন্তা আৰু ভাৱধাৰাৰ অনুগামী কৰি তুলিছিল।

(4) 'অৰুনোদই' কাকতে অসমীয়া মানুহক পাশ্চাত্যৰ ভাৱ চিন্তাক অগ্ৰাধিকাৰ দিবলৈ প্ৰস্তুত কৰি তুলিছিল।

39. 'হে নৱজাতক আগত যুগৰ স্বপ্ন সাধনা ৰত

ঘৰ জেউতিৰ বোবা যন্ত্ৰনা শেষ হক হক শেষ'।

ওপৰৰ কবিতা ফাঁকিত মুক্তক ছন্দৰ প্ৰয়োগ ঘটিছে। কাৰণ-

(1) মুক্তক ছন্দত আপাত দৃষ্টিত সমপংক্তিক ধ্বনিবিন্যাস দেখিবলৈ পোৱা যায়।

(2) মুক্তক ছন্দৰ ৰীতি সুনিয়ন্ত্ৰিত নহয় যদিও কোনো কোনো ক্ষেত্ৰত নিয়ন্ত্ৰিত হয়।

(3) মুক্তক ছন্দত সমমাত্ৰিক ধ্বনিবিন্যাস দেখিবলৈ পোৱা যায়।

(4) মুক্তক ছন্দত চিৰাচৰিত ছন্দসজ্জাৰ বন্ধন থাকে।

40. লাঠিতে আমাৰ কয় ধৰ মাৰ
শত্ৰুক কৰি দে বাজ,
পিচ মুৰা হই পিঠি দেখুৱাই
নানিবি দেশৰ লাজ।

উক্ত পংক্তিটিত বীৰ ৰসে প্ৰাধান্য বিস্তাৰ কৰিছে। কাৰণ-

(1) উৎসাহ হৈছে ইয়াৰ স্থায়ীভাৱ আৰু জুগুপ্সা আলম্বন বিভাৱ।
(2) উৎসাহ হৈছে ইয়াৰ স্থায়ীভাৱ আৰু অৰি আলম্বন বিভাৱ।
(3) বীৰত্ব হৈছে ইয়াৰ স্থায়ীভাৱ আৰু শত্ৰু স্থায়ী ভাৱ।
(4) ক্ৰোধ হৈছে ইয়াৰ স্থায়ীভাৱ আৰু শত্ৰু আলম্বন বিভাৱ।

41 ৰ পৰা **45** লৈ দিয়া বিষয়সমূহ লগত দিয়া নিৰ্দেশনাৰ আধাৰত সজাই (1),(2),(3),(4), গোটৰ পৰা শুদ্ধ ক্ৰমটো নিৰ্ণয় কৰাঁ।

41. জন্মৰ চনৰ আধাৰত সজোৱাঁ-

(a) বীৰেন্দ্ৰ কুমাৰ ভট্টাচাৰ্য (b) নগেন শইকীয়া
(c) শৰৎচন্দ্ৰ গোস্বামী (d) স্নেহ দেৱী

(1) (c) (a) (b) (d)
(2) (a) (c) (d) (b)
(3) (a) (c) (b) (d)
(4) (c) (d) (a) (b)

42. প্ৰকাশৰ চন অনুসৰি সজোৱাঁ-

(a) মৃণালমাহী (b) কাৰেঙৰ লিগিৰী
(c) চক্ৰধ্বজ সিংহ (d) ত্ৰবেলাৰ নাট

(1) (b) (c) (d) (a)
(2) (c) (b) (d) (a)
(3) (d) (a) (b) (c)
(4) (c) (a) (b) (d)

43. তলৰ মতবাদকেইটি সূচনা হোৱা সময় অনুসৰি সজোৱাঁ-

(a) বাস্তৱবাদ (b) নিৰ্গঠনবাদ
(c) ধ্ৰুৱবাদ (d) মানৱতা বাদ

(1) (c) (d) (a) (b)
(2) (b) (a) (d) (c)
(3) (d) (c) (a) (b)
(4) (c) (a) (d) (b)

44. সংহতি বিভাজনৰ কাল অনুসৰি একাদিক্ৰমে সজোৱাঁ-

(a) কাল সংহতি (b) পুৰুষ সংহতি

(c) ব্ৰহ্ম সংহতি (d) নিকা সংহতি

(1) (b) (a) (c) (d)
(2) (c) (d) (b) (a)
(3) (d) (b) (a) (c)
(4) (c) (b) (a) (d)

45. কালানুক্ৰমিকভাৱে সজোৱাঁ-

(a) ভট্টদেৱ (b) পীতাম্বৰ কবি

(c) ৰঘুনাথ মহন্ত (d) হেম সৰস্বতী

(1) (d) (a) (c) (b)
(2) (b) (a) (d) (c)
(3) (c) (b) (d) (a)
(4) (d) (b) (a) (c)

তলত দিয়া খন্ডটো মনোযোগেৰে পঢ়াঁ আৰু **46** ৰ পৰা **50** লৈকে সংলগ্ন প্ৰশ্নকেইটাৰ শুদ্ধ উত্তৰ (1),(2),(3),(4) ৰ মাজৰ পৰা বাছি উলিওৱাঁ।

আৰবী-ফাৰ্চী শব্দৰ লগত ইচলামীয় ভাৱধাৰায়ো অসমীয়া সাহিত্যত প্ৰবেশ কৰিলে। অসমীয়া সাহিত্য ঘাইকৈ ৰামায়ণ, মহাভাৰত আৰু পুৰাণসমূহৰ বিষয়বস্তুৰে পৰিপুষ্ট আছিল। পূৰ্ব্বৰ এক আধ্যাত আহোমৰ দিনত মানব- প্ৰেমমূলক দুই এখন কিতাপ পাৰ্চ্চী-হিন্দীৰ পৰা অনুদিত হৈছিল বুলি উল্লেখ কৰা হৈছে। ভক্ত ভগৱানৰ মাজত যে প্ৰেমিক-প্ৰেমিকাৰ সম্বন্ধ সেই কথা চুফীসকলে বিশেষকৈ প্ৰচাৰ কৰিলে। চুফীসকলে মৃত্যুকো ৰমনীয় আৰু বৰণীয় বুলি কল্পনা কৰিছিল। লাহে লাহে এই ভাবে অসমীয়া সাহিত্যত বিস্তাৰ লভিলে।

আধুনিক অসমীয়া সাহিত্যৰ বিভিন্ন শ্ৰেণীত মুছলমান লিখকসকলৰ বিশিষ্ট দান আছে। বৃটিছ যুগৰ প্ৰাৰম্ভতে অসমীয়া কবিতাত মিষ্টিক ভাৱ সংযোগ কৰিছে মৌলবী মফিজুদ্দিন আহম্মদ হাজৰিকাৰ ‘জ্ঞান-মালিনী’য়ে, বীৰবলৰ হাঁহি দিছে মজাৰ গল্প’ৰ লিখক মছলেদ্দিন আহমেদে আৰু সহজ-সৰল কবিতাৰ যোগে নৈতিক শিক্ষা দিছে মহম্মদ চুলেমান খাঁৰ কবিতা পাঠে। এসময়ত চুলেমান খাঁৰ কবিতাৰ লগত পৰিচিত নহলে অসমীয়া ছাত্ৰৰ প্ৰাথমিক শিক্ষা অসম্পূৰ্ণ হৈছিল।

আধ্যাত্মিক জীৱন আৰু বাস্তৱ সভ্যতাৰ লগত জাতীয় সংস্কৃতিৰ অঙ্গাঙ্গী সম্বন্ধ।ইচ্লামধৰ্ম আৰু আধ্যাত্মিকতাই অসমীয়া ভাৱধাৰাৰ ওপৰতো পোহৰ পেলাইছে। ইচ্লামৰ লগত অসমৰ সম্বন্ধ মোগল সংঘৰ্ষৰ পৰাই বুলি বহুতৰে ধাৰণা। দৰাচলতে মোগল আক্ৰমণৰ পূৰ্ব্বৰেপৰা ইচ্লাম ধৰ্ম্মৰ লগত অসমৰ পৰিচয় ঘটিছিল। মুছলমান পীৰ, উলেমা দৰবেশ আদি ধৰ্ম্ম-প্ৰচাৰকসকল একাদশ-দ্বাদশ শতিকাতে অসমলৈ অহা বুলি প্ৰমাণ পোৱা গৈছে। দুটা কাৰণৰ হেতু ইচলাম্ ধৰ্মই আৰু ইচলামীয় আধ্যাত্মতত্ত্বই অসমত প্ৰচাৰ লাভৰ সুবিধা পালে বুলি ইঙ্গিত কৰিব পাৰি। তাৰে ভিতৰত প্ৰথম হৈছে আহোম স্বৰ্গদেউসকলৰ পৃষ্ঠপোষকতা। আহোম ৰজাসকল সকলো ধৰ্মৰ প্ৰতি উদাৰ আছিল। মুছলমান পীৰ আৰু ফকিৰসকলক তেওঁলোকে সমাদৰ কৰিছিল, মাটি বৃত্তি দি থাপিছিল; দৰ্গাহ, মছজিদ আৰু মক্তাব সাজিবলৈ অৰ্থ সাহায্য দিছিল। হাজোৰ পোৱামক্কা নিৰ্ম্মাণতে এই কথাৰ প্ৰমাণ।

দ্বিতীয়তে, অসম দেশ বৈষ্ণৱ ধৰ্ম্ম-প্ৰধান হোৱাত ইচলামৰ চুফীবাদ প্ৰচাৰৰ ই উপযুক্ত ক্ষেত্ৰ হৈ উঠিছিল। চুফীমতৰ কেইটিমান প্ৰধান বৈশিষ্ট্য হৈছে ঃ জগতৰ সকলো পদাৰ্থ পৰমাত্মাৰ, প্ৰকাশ; মানুহৰ সকলো ক্ৰিয়া-কৰ্ম্ম, সংকল্প পৰমাত্মাই নিয়ন্ত্ৰিত কৰে; মানুহৰ প্ৰধান কৰ্ত্তব্য ধ্যান আৰু সমাধি, প্ৰাৰ্থনা আৰু নাম স্মৰণ সকলো ধাৰ্মিক আৰু নৈতিক অনুভূতিৰ মূলতে সৰ্ব্বজীৱৰ প্ৰতি প্ৰেম আৰু দয়া । এইবোৰৰ লগত বৈষ্ণৱ বিশ্বাসৰ মিল থকাত অসম-দেশত চুফিবাদ নিৰ্বিবাদে প্ৰচাৰ হ'ল; আৰু হিন্দু-মুছলমান ঐক্যৰ প্ৰথম চেষ্টা চলিল। খৃষ্টীয় চতুৰ্দ্দশ শতাব্দীত প্ৰচাৰ হোৱা চুফিবাদে গোটেই ভাৰততে হিন্দুৰ মন আকৃষ্ট কৰিছিল।

46. বৃটিছ যুগৰ প্ৰাৰম্ভতে অসমীয়া কবিতাত মিষ্টিক ভাবৰ সংযোগ ঘটিছে :

(1) চুলেমান খাঁৰ কবিতাত

(2) মৌলবী মফিজুদ্দিন আহমদ হাজৰিকাৰ 'জ্ঞানমালিনী'ত

(3) মছলেদ্দিন আহমেদৰ 'মজাৰ গল্পত'

(4) মুছলমান লেখকসকলৰ কবিতাত

47. আধ্যাত্মিক জীৱন আৰু বাস্তৱ সভ্যতাৰ লগত জাতীয় সংস্কৃতিৰ অঙ্গাঙ্গী সম্মন্ধ বুলি কোৱা হৈছে। কাৰন-

(1) ধৰ্ম আৰু আধ্যাত্মিকতাই সাংস্কৃতিক জীৱনধাৰাক প্ৰভাৱিত আৰু প্ৰসাৰিত কৰে।

(2) মোগল আক্ৰমনৰ পূৰ্ব্বৰে পৰা ই্চলাম ধৰ্মৰ লগত অসমৰ পৰিচয় ঘটিছিল।

(3) ই্চলাম ধৰ্ম আৰু আধ্যাত্মিকতাই অসমীয়া ভাৱধাৰাৰ ওপৰতো প্ৰভাৱ পেলাইছে।

(4) মুছলমানৰ পীৰ, উলেমা, দৰবেশ আদি ধৰ্মপ্ৰচাৰক সকল একাদশ - দ্বাদশ শতিকাতে অসমলৈ অহা বুলি প্ৰমান পোৱা গৈছে।

48. ইচলাম ধৰ্ম আৰু ইচলামীয় আধ্যাত্মতত্ত্বই অসমত প্ৰচাৰ লাভ কৰাৰ কাৰণ দুটা কি?

(1) মুছলমানৰ প্ৰতি ভালপোৱা আৰু তেওঁলোকৰ কাৰ্যৰ সমাদৰ।

(2) মুছলমানৰ পীৰ, ফকিৰসকলৰ আৰু দৰ্গাহ, মছজিদ, মক্তাবৰ প্ৰতি সমাদৰ।

(3) আহোম স্বৰ্গদেউসকলৰ পৃষ্ঠপোষকতা আৰু ইছলামৰ চুফীবাদৰ প্ৰচাৰ।

(4) মুছলমানসকলক মাটি-বাৰী দিয়া আৰু পোৱামক্কা নিৰ্মান।

49. চুফীমতৰ প্ৰধান বৈশিষ্ট্যটো হ'ল :

(1) মানুহৰ সকলো ক্ৰিয়া-কৰ্ম মানুহৰ ভাগ্যৰ যৈতে নিৰ্ভৰশীল।

(2) মানুহৰ প্ৰধান কৰ্তব্য দৈনন্দিন জীৱন ধাৰন।

(3) বিশিষ্ট জীৱৰ প্ৰতি প্ৰেম আৰু দয়া প্ৰদৰ্শন।

(4) জগতৰ সকলো সৃষ্টিতেই পৰমাত্মা বিৰাজমান

50. ইচলাম ধৰ্মৰ লগত বৈষ্ণৱ বিশ্বাসৰ মিল থকাত অসমত কি মতৰ প্ৰচাৰ হ'ল?

(1) চুফীবাদ (2) ভক্তিবাদ (3) বৈষ্ণৱবাদ (4) মানৱতাবাদ

- o O o -

Space For Rough Work